कैडेट्स को प्राथमिक चिकित्सा के जानकारी देते डॉ. राजेश बहल जी एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. रोहित श्रीवास्तव

दिनांक : 14 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर 102 यू. पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर ने महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय में मरीजों की सेवा करके सेवा अर्पण किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के निदेशक डॉ. राजेश बहल के मार्गदर्शन में कैडेट्स ने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को प्राथमिक चिकित्सा के प्रति जागरूक किया। कर्नल डॉ. राजेश बहल ने कैडेट्स को सेवा अर्पण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मानव सेवा ही ईश्वरीय सेवा है। त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराए नहीं बल्कि धैर्य के साथ देखो, सोचो और कार्य करो के मूल सिद्धांत पर त्वरित सहायता करें। डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में 'प्राथमिक उपचार के लक्ष्य (अवधारणा) पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्राथमिक उपचार के चरणों को बताया। प्राथमिक चिकित्सा में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें घावों, फ्रैक्चर, जलन, स्ट्रोक, दिल का दौरा और सांस संबंधी समस्याओं का उपचार शामिल है।

व्याख्यान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सह आचार्य डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव ने प्राथमिक उपचार के समय प्रयोग की जानें वाली सावधानियां एवं प्राथमिक उपचार के तरीकों से अवगत करवाया। व्याख्यान विषय 'देखो, सोचो और कार्य करो में प्राथमिक चिकित्सा हमें आपातकालीन स्थिति में सही निर्णय लेने और त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक दबाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण और मानसिक सहनशीलता के विकास पर ध्यान देना चाहिए। मनोवैज्ञानिक सलाह और तनाव प्रबंधन के उपाय भी लागू किए जा सकते हैं। पीड़ित की स्थिति को देखना और उसकी गंभीरता का मूल्यांकन करना आवश्यक है।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए प्राथमिक चिकित्सा न केवल एक कौशल है, बल्कि यह उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करता है, और समाज में एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका को मजबूत करता है। हालांकि प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित कई चुनौतियाँ हैं, उन्हें समाधान और सुधार के माध्यम से प्रबंधित किया जा सकता है। सही प्रशिक्षण, उपकरण और मानसिक तैयारी के साथ, एनसीसी कैडेट आपातकालीन स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और समाज की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिश्चित कर सकते हैं।

शिक्षक श्री अनुप कुमार मिश्राए कुं अभिनव सिंह राठौड़, सुप्रिया गुप्ता, जयशंकर पांडे, संजीव विश्वकर्मा, अंकिता दीक्षित, अकांक्षा दीक्षित, कुलदीप यादव, विशालदीप, धीरज कुमार, डॉ. अर्पित मिश्रा, श्री धनंजय पांडेय के अलावा राष्ट्रीय कैडेट कोर के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, मोतीलाल, आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, प्रियेश राम त्रिपाठी, अनुभव, अमित चौधरी, सागर यादव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अंशिका सिंह, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, चांदनी निषाद, खुशी यादव, निलेश यादव आदि उपस्थित रहें।